



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 117] नई दिल्ली, बुधवार, मई 22, 1986, ज्येष्ठ 1, 1908  
No. 117] NEW DELHI, THURSDAY, MAY 22, 1986/JYAISTHA 1, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Page is given to this Part in order that it may be filed as  
separate compilation

## वाणिज्य संज्ञालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं. 98—आई टी सी/(पी एन)/85-88

नई दिल्ली, 22 मई, 1986

विषय :—1985-86 के लिए विदेशी आर्थिक सहयोग निधि(ओ ई सी एफ) द्वारा विस्तारित पूरसंचार परियोजना(8) के लिए 9.581 बिलियन येन आई डी पी-32 के ग्रेन क्रेडिट के अंतर्गत उपस्कर और सेवाओं के आयात के संबंध में लाइसेंसिंग शर्तें।

फा. सं. आई टी सी/23(30)/85—88:—1985-86 के लिए जापान की विदेशी आर्थिक सहायता निधि(ओ ई सी एफ) द्वारा पूरसंचार परियोजना(8) के लिए विस्तारित 9.581 बिलियन के येन क्रेडिट के अंतर्गत आयातों पर शासित शर्तें, जो इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में दी गई हैं, जानकारी के लिए अधिसूचित की जा रही हैं।

राजीव लोचन मिश्र, मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात  
परिशिष्ट 1

जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि(ओ ई सी एफ) द्वारा प्रदान किए गए पूरसंचार परियोजना(8) के लिए येन 9.581 बिलियन के ग्रेन क्रेडिट के अधीन उपस्कर और सेवाओं के आयात के संबंध में लाइसेंस शर्तें।

खंड-1 सामान्य शर्तें :—

1(1) दूर संचार विभाग को दूर संचार परियोजना की आयात आवश्यकताओं को वितरित करने के लिए जापान की विदेशी आर्थिक

सहयोग निधि(ओ ई सी एफ) द्वारा प्रदान किया गया 9.581 बिलियन येन का अणु जापान और विकासशील देशों के लिए खुला है। तदनुसार इस क्रेडिट के अधीन अधिप्राप्ति की जाने वाली वस्तुएं और सेवाएं जापान और अनुबंध-1 की सूची में उद्धृत सभी देशों में आयात की जा सकती हैं। ये देश इन अणु के अंतर्गत पाठ गोल देश होंगे।

1(2) क्रेडिट के अधीन केवल उन्हें भरो और उसी मूल्य के लिए लाइसेंस जारी किए जा सकते हैं जिनके लिए मर्यादितदेशालय, तकनीकी विकास/पूरीगत माल समिति द्वारा विशेष रूप से निष्कर्षों कर दो गई हों। इस क्रेडिट के अधीन जारी किए गए आयात लाइसेंस(सी) येन का मूल्य 10.540 मिलियन (लागत बीमा-भाड़ा) येन से अधिक नहीं होना चाहिए।

आयात लाइसेंस का रूप में मूल्य, राजस्व विभाग (सीमाशुल्क) द्वारा अधिसूचित विनिमय दर और आयात लाइसेंस जारी करने की तिथि को प्रचलित दर और मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा जारी की गई सार्वजनिक सूचना सं. 78-आई टी सी/(पी एन)/74, दिनांक 6 जून, 1974 के पैरा-2 के अनुसार आयात लाइसेंस में संकेतिक दर पर निर्धारित किया जाएगा, जिसमें यह उल्लेख है कि सीमा शुल्क प्राधिकारी और विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी आयात लाइसेंस(सी) में विनिर्दिष्ट मुद्रा विनिमय दर पर लाइसेंस मूल्य के नामे डालेंगे। लाइसेंस पर एक शीर्षक "जापानी येन अणु सं. आई टी सी-32 होगा"। प्रथम और द्वितीय प्रत्यय के लिए लाइसेंस में "एस/जेसी" कोड होगा। दूर संचार विभाग को आयात लाइसेंस बेजते समय मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात के पक्ष में भी इसे बूझाया जाएगा, जिसकी एक प्रति वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग(जापान अनुभाग) की पृष्ठोक्ति की जानी चाहिए।

1(3) आयात बीमा भाड़ा के आधार पर केवल दूर संचार विभाग के मान में लाइसेंस जारी किया जा सकता है।

1(4) दूर संचार विभाग की सुविधा पर निर्भर करते हुए एक से अधिक आयात लाइसेंस फ्रेट के अधीन जारी किए जा सकते हैं। लेकिन, कुल मूल्य येन 10.540 बिलियन (आयात बीमा भाड़ा) येन से अधिक नहीं होता चाहिए जैसा कि ऊपर पैरा 1(2) में कहा गया है।

1(5) आयात लाइसेंस की वैधता में वृद्धि दूर संचार विभाग द्वारा आवेदन करने पर 12 महीनों की और भाग की अवधि के लिए दी जा सकती है। भाग और वृद्धि करने के लिए नया आयात लाइसेंस जारी करने के लिए यदि कोई आवेदन हो तो उसे आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेजा जाना चाहिए।

1(6) फ्रेट के अधीन वितरित किए जाने वाले आयात/आयात लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा विधिवत् स्थापित संलग्न माल और सेवाओं की सूची तक प्रतिबंधित है।

1(7) विदेशी मुद्रा के किसी भी परेयण की अनुमति आयात लाइसेंस के प्रति नहीं दी जाएगी। भारतीय अधिकर्ता के कमीशन के प्रति कोई भी भुगतान भारतीय अधिकर्ता को भारतीय रुपये में किया जाना चाहिए। लेकिन, ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के दो भाग होंगे और लाइसेंस पर ही प्रभावित किए जाएंगे।

1(8) पक्के आवेदन अनुबंध-1 में उल्लिखित देशों में स्थित विदेशी संभरणों को जहाज पर निःशुल्क के आधार पर दिए जाने चाहिए और वे आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से 4 महीनों की अवधि के भीतर आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेज दिए जाने चाहिए। बाड़ा बीमा प्रभार को भुगतान भारतीय रुपये में भारत में देय होगा। "पक्के आवेदनों" का अर्थ विदेशी संभरणों को भारतीय लाइसेंसधारी द्वारा दिए गए उन कम आवेदनों से है जो विदेशी संभरण द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित हों या भारतीय आयातक और विदेशी संभरण द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित अन्य संविदा हो। विदेशी संभरणों के भारतीय अधिकर्ताओं के आदेश या ऐसे भारतीय अधिकर्ताओं द्वारा पुष्टिकरण आदेश स्वीकार्य नहीं है।

1(9) चार महीनों की अवधि के भीतर ठेकों की इस शर्त का तब तक अनुपालन किया गया नहीं समझा जाएगा जब तक कि ठेके के पूर्ण दस्तावेज आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से चार महीने के भीतर वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (अनुबंध-1) अनुभाग को नहीं पहुंच जाते हैं। यदि उपर्युक्त पैरा 1 (8) में यथा उल्लिखित पक्के आवेदन चार महीनों के भीतर बैंक कारणों से जहां दिए जा सकते हैं तो चार महीनों के भीतर आवेदन क्यों नहीं दिए जा सकते इस कारणों का उल्लेख करते हुए लाइसेंसधारी को आयात लाइसेंस को सम्यक् लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत कर देना चाहिए। आवेदन देने की अवधि में वृद्धि के लिए ऐसे आवेदनों पर लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा पात्रता के आधार पर विचार किया जाएगा। वे अधिक से अधिक चार महीनों की और अवधि के लिए वृद्धि प्रदान कर सकते हैं। लेकिन यदि वृद्धि इस लाइसेंस के जारी होने की तिथि से 8 महीनों से अधिक के लिए मांगी जाती है तो ऐसे प्रस्ताव निम्नपात्र रूप से लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग), नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली को भेजे जाएंगे जो कि ऐसी वृद्धि के लिए प्रत्येक मामले की पात्रता के आधार पर विचार करेंगे और अपना निर्णय लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजेंगे। जिसको वे लाइसेंसधारी को प्रेषित करेंगे। लाइसेंसधारी द्वारा लाइसेंस प्राधिकारियों से केवल ऐसी वृद्धि प्रदान करने वाला एक पत्र प्रस्तुत करने पर ही प्राधिकृत व्यापारी और विभागीय पदाधिकारी आयात लाइसेंस के अधीन किए गए संभरण ठेकों में बैंक गारंटी सख्त पत्र स्थापित करने के लिए प्राधिकार पत्र मुख्य रूप से अया कारणों प्राप्ति की स्वीकृति की सुविधाओं की अनुमति देंगे।

1(10) आयात लाइसेंस की समाप्ति से चार महीने के भीतर सभी भुगतान अवश्य पूर्ण कर देने चाहिए। माल के पोतलवान पर प्रलग भुगतानों की व्यवस्था होनी चाहिए। ठेके में नकद आधार पर प्रयत्न पोतलवान दस्तावेजों के प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। विदेशी संभरण से भारतीय आयातक को किसी भी किस्म की भ्रष्टाचार सुविधा उपलब्ध करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। माल के वितरण की अवधि के लिए ठेके में निम्नलिखित व्यवस्था होनी चाहिए :—

"साक्ष-पत्र की प्राप्ति के बाद ..... महीने परन्तु अधिक से अधिक ..... के अस्त तक पूर्ण किया जाता है।"

पोतलवान के लिए आखिरी तिथि निश्चित करने में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि यह तिथि 30-6-1990 के बाद की न हो।

खण्ड-2 सम्भरण ठेके का समझौता करते समय ध्यान में रखी जाने वाली विशेष बातें—

2(1) ठेके का जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य येन में (येन की भिन्न के बिना) अभिव्यक्त होना चाहिए और इसमें भारतीय अधिकर्ता का कमीशन यदि कोई हो तो वह शामिल नहीं होना चाहिए जो कि भारतीय रुपये में चुकाना चाहिए।

भारतीय रुपया या किसी अन्य मुद्रा में ठेके का मूल्य किसी भी परिस्थिति में अभिव्यक्त नहीं होना चाहिए। कम आदेश और संभरण द्वारा पुष्टिकरण आदेश केवल अंग्रेजी में होता चाहिए।

2(2) ऋण की रकम से वित्त पोषित किए जाने वाले सभी माल और खेत ऋण को अस्तंगत अधिप्राप्ति के लिए मार्ग वर्धन बिन्दुओं के अनुसार निम्नलिखित सम्पूर्ण शर्तों के साथ किए जाएंगे :—

(क) कम से कम 300 मिलियन येन के अनुमानित मूल्य के माल और सेवाओं/शर्तों की अधिप्राप्ति के मामले में :—

(1) यदि पूर्वप्रवर्तन सहित औपचारिक खुली अन्तर्राष्ट्रीय निविदा से भिन्न अधिप्राप्ति क्रियाविधि अपनाते का प्रस्ताव है तो अधिप्राप्ति की पद्धति के अनुमोदन के लिए ओ ई सी एक को आवेदन पत्र प्रस्तुत करके उससे पूर्व अनुमोदन प्राप्त किया जाएगा।

(2) सफल बोलीकार को निर्णय का नोटिस जारी करने से पहले बोली मूल्यांकन रिपोर्टें सहित निर्णय के अनुमोदन के लिए आवेदन पत्र ओ ई सी एक को प्रस्तुत किया जाएगा। निर्णय और बोली मूल्यांकन के अनुमोदन के लिए उपर्युक्त आवेदन पत्र के साथ-साथ पूर्व प्रवर्तन की मूल्यांकन रिपोर्टें, बोलीकारों को दिए गए नोटिस और अनुदेश, बोली प्रवर्तन, प्रस्तावित ठेका विनिर्दिष्टकरण और ड्राइंग और बोली से संबंधित अन्य दस्तावेज ओ ई सी एक को भी पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे।

(ख) 300 मिलियन येन से कम अनुमानित मूल्य के माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में ठेके के निर्णय के लिए ओ ई सी एक के पूर्व अनुमोदन की इस शर्त पर आवश्यकता नहीं है कि निविदा की ओरें उचित रूप से विभाजित की गई हों। लेकिन यदि ओ ई सी एक अनुमोद करे तो निविदा मूल्यांकन रिपोर्टें प्राप्ति उसको पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत की जाएंगी।

(ग) दूर संचार विभाग उपर्युक्त (क) (1), (क) (2) और (ख) में उल्लिखित आवेदन पत्र दस्तावेज आर्थिक कार्य विभाग को दो प्रतियों में प्रस्तुत करेगा जो उसके द्वारा ओ ई सी एक को भेजे जाएंगे।

2(3) विदेशी संभरक को भुगतान, उनके नाम में भारतीय बैंक, टोकियो द्वारा 1985-86 के लिए ओ.ई.सी. एक येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) सं. आई डी पी-32 के अधीन खोले गए अपरिवर्तनीय साखण्ड के माध्यम से किया जाना चाहिए। जिसका स्वीरा नोबे खण्ड-6 में दिया गया है।

2(4) आयात लाइसेंस के प्रति केवल एक ही संविदा की जानी चाहिए। लेकिन कुछ विशेष मामलों में एक से अधिक संविदा करने की अनुमति भी दी जा सकती है। जिसके लिए आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि के तुरन्त बाद वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) से अनुमोदन प्राप्त कर लेना चाहिए।

#### 2(5) संभरक की पात्रता

संभरक पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रिक होने या पात्र स्रोत देशों में शामिल किए गए तथा पंजीकृत किए गए पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रिकों द्वारा शासित वैध व्यक्ति होंगे।

#### 2(6) संविदा में घोषणा

प्रत्येक संविदा में संभरक द्वारा माल एवं संभरक की पात्रता और संभरक के हस्ताक्षर और तारीख से निम्नलिखित घोषणा जोड़ी जाएगी:—

“मैं, अधोहस्ताक्षरी एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि संभरित किया जाने वाला माल ..... (संबन्धित पात्र स्रोत देश का नाम) में उत्पादित है।

“मैं, अधोहस्ताक्षरी आगे यह प्रमाणित करता हूँ कि मेरी पूरी जानकारी और विश्वास के अनुसार अपात्र स्रोत देशों से आयातित भाग निम्नलिखित सूत्र के अनुसार 30 प्रतिशत से कम है:—

$$\frac{\text{आयातित लागत बीमा भाड़ा मूल्य + आयात शुल्क}}{\text{संभरक का जहाज पर निशुल्क मूल्य}} \times 100$$

और

“मैं, अधोहस्ताक्षरी, एतद्वारा सत्यापित करता हूँ कि ..... (पात्र स्रोत देश का नाम) में ..... (कम्पनी का नाम) समाविष्ट और पंजीकृत हो चुकी है और पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रिकों द्वारा नियोजित है”।

#### 2(7) अपात्र स्रोत देशों से अनुमेष आयात

जिन वस्तुओं में अपात्र स्रोत देशों में बनी हुई सामग्री निहित है उसका विश्लेषण किया जा सकता है बशर्ते कि निम्नलिखित सूत्र के अनुसार ऐसे उत्पाद प्रति एकक का मूल्य मदवार आधार पर आयातित भाग 30 प्रतिशत से कम हो:—

$$\frac{\text{आयातित लागत बीमा भाड़ा + आयात शुल्क}}{\text{संभरक का जहाज पर निशुल्क मूल्य}} \times 100$$

#### खण्ड-3 संभरण ठेकों में समाविष्ट की जाने वाली शर्तें

3(1) संभरण ठेकों में निम्नलिखित प्रावधान विशेष रूप से समाविष्ट होने चाहिए।

(क) ठेके की व्यवस्था भारत सरकार और जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एक) के बीच दूर संचार परियोजना 8 के लिए येन क्रेडिट सं. आई डी पी-32 (परियोजना सहायता) से संबंधित 25 नवम्बर, 1985 को हुए ऋण समझौते के अनुसार होनी चाहिए और यह भारत सरकार और विदेशी आर्थिक सहयोग निधि के अनुमोदन के अधीन होगा।

(ख) संभरकों को भुगतान, भारत सरकार और जापानी विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एक) के बीच येन क्रेडिट सं. आई डी पी-32 से संबंधित 25 नवम्बर, 1985 को हुए ऋण समझौते के अंतर्गत बैंक आक इंडिया टोकियो द्वारा जारी किए जाने वाले अपरिवर्तनीय साखण्ड के माध्यम से किए जाएंगे।

(ग) विदेशी संभरक ऐसी सूचना और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए सहमत होगा जो एक और भारत सरकार द्वारा जारी दूसरी ओर ओ ई सी एक द्वारा येन ऋण के अधीन अर्पित हों।

(घ) 2(6) में उल्लिखित प्रपत्र में प्रमाणपत्र (तीन प्रतियों में)

3(2) यदि किसी मामले में संभरक जापान में स्थित हो तो संभरण संविदा के संबंध में एक धारा होनी चाहिए कि जापानी संभरक भारतीय दूतावास, टोकियो के परामर्श पर पोत परिवहन व्यवस्था करने के लिए सहमत है और इस उद्देश्य के लिए वह भारतीय दूतावास, टोकियो को, शामिल माल की सुपुर्देगी के कार्यक्रम से प्रवृत्त करावेगा और पोत लदान से कम से कम 6 सप्ताह पूर्व भारतीय दूतावास को सूचना देगा जिससे कि उचित व्यवस्था हो सके। विशेष मामलों में, जहां भारतीय आयातक इच्छुक हो, सूचना की इन अवधि को कम किया जा सकता है। जापानी संभरक को प्रत्येक पोतलदान के पश्चात् आवश्यक ज्योरे देते हुए तार से सूचना भेजने के लिए सहमत होना चाहिए और उसकी एक प्रति भारतीय दूतावास, टोकियो को भेजी जानी चाहिए।

खण्ड-4 ओ ई सी एक द्वारा ठेके की पुनरीक्षा

4(1) लाइसेंसधारी को पक्केआदेश देने के लिए निर्धारित अवधि के भीतर दूरसंचार विभाग और विदेशी संभरकों दोनों द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित ठेके की चार प्रतियां जो विदेशी संभरकों द्वारा भित्ति में पुष्टिआदेश के साथ हों या उनकी हर प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियां संगत वैध आयात लाइसेंस की दो फोटो प्रतियां सहित और परिशिष्ट-2 के प्रपत्र में “प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन” की दो प्रतियां आर्थिक कार्य विभाग को भेजी जानी चाहिए।

4(2) उपर्युक्त क्रियाविधि सभी ठेकों के लिए और ठेकों की विषय वस्तु के लिए अनिवार्य आशोधनों के कारण संशोधनों या उनकी कॉपीयों पर भी लागू होंगी।

4(3) वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) ठेके की एक प्रति के साथ ठेके के निर्णय का नोटिस ओ ई सी एक को पुनरीक्षा के लिए भेजेगा। ठेके के निर्णय के नोटिस और ठेके की एक-एक प्रति आर्थिक कार्य विभाग द्वारा भारतीय दूतावास टोकियो को और आयात लाइसेंस की फोटोकॉपी और “प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन” की एक प्रति के साथ सी ए ए एंड ए के कार्यालय को भेजेगा।

खण्ड-5 विदेशी संभरकों को भुगतान—नाण्य पत्र क्रियाविधि

5(1) वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग से ठेके के निर्णय का नोटिस और ठेके के दस्तावेज प्राप्त होने पर सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक, बैंक आक इंडिया की टोकियो शाखा को संबोधित संलग्न अनुबन्ध-3 में दिए गए प्रपत्र में एक प्राधिकार पत्र जारी करेगा जिसमें बैंक आक इंडिया की टोकियो शाखा सम्बद्ध विदेशी संभरक के नाम में संलग्न अनुबन्ध-4 (आयातों के लिए) के प्रपत्र में या अनुबन्ध-5 (सेवाओं के लिए) के प्रपत्र में एक अपरिवर्तनीय साखण्ड खोलेगी। प्राधिकार पत्र की प्रतियां ओ ई सी एक भारतीय दूतावास, टोकियो, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय को पृष्ठांकित की जाएंगी।

5(2) प्राधिकार-पत्र मिलने पर, भारतीय बैंक, टोकियो अनुबन्ध-4 (वास्तविक आयातों के लिए लागू होता है) या अनुबन्ध 5 (सेवाओं के लिए लागू होता है) के अनुसार संबंधित विदेशी संभरकों के नाम में

अपरिवर्तनीय साखपत्र की स्थापना करेगा और उसकी एक प्रति विदेशी आर्थिक सहयोग विधि (ओ ई सी एफ) भारतीय दूतावास टोकियो भारत में आयातक के बैंक और सहायता लेखा एवं परीक्षा नियंत्रक को भी भेजेगा।

सी.ए.ए.एण्डए. से प्राधिकार पत्र के आधार पर साखपत्र खोलने के लिए उपर्युक्त क्रियाविधि संविदा संशोधन या अन्यथा के लिए आवश्यक समझे जाने वाले ऐसे सभी प्राधिकार पत्र/साखपत्रों के संशोधनों पर स्वतः लागू होगी।

5(3) माल का पोतनदान करने के बाद विदेशी संभरक अपने बैंकों के माध्यम से साख पत्र में उल्लिखित दस्तावेज भुगतान के लिए बैंक आफ इंडिया टोकियो को प्रस्तुत करेगा। यदि दस्तावेज सही पाए गए तो बैंक आफ इंडिया, टोकियो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि को विदेशी संभरक को उसके बैंकों के माध्यम से रिहा करेगा और उसके बाद आयातों की लागत की धनराशि की प्रति-पूर्ति विदेशी आर्थिक निधि से प्राप्त करेगा।

ओ ई सी एफ ठेके के नूतन की 2/10 प्रतिशत (0.1 प्रतिशत) के बराबर धनराशि प्राप्त करने पर अवनवडता पत्र जारी करेगा। यह धनराशि ओ ई सी एफ द्वारा स्वयं ऋण/निधियों में से चुकाई जाएगी। ओ ई सी एफ या सहायता लेखा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय से भुगतान की सूचना प्राप्त होने पर आयातक को वजनबद्धता पत्र के खर्चों की तुल्य धनराशि सरकारी लेखे में जमा करनी होगी, ओ ई सी एफ को भुगतान की तिथि में रुपया जमा करने की तिथि तक (दोनों तिथियां शामिल करके) व्याज भी प्रचलित दर पर आयातक द्वारा चुकाया जाएगा।

प्रतिपूर्ति क्रियाविधि के अंतर्गत भी आयातक द्वारा 0.1 प्रतिशत इसी प्रकार का खर्चा चुकाया जाना है।

5(4) साख-पत्र को खोलने, रख-रखाव और परिचालन पर किए गए सभी खर्च विदेशी संभरकों या आयातक के लेखे में जायेंगे और इसलिए ओ ई सी एफ से उनका भुगतान नहीं किया जाएगा।

संभरकों को भारतीय बैंक, टोकियो द्वारा जहाज पर्यन्त निःशुल्क माल की लागत के भुगतान की तिथि और ओ ई सी एफ द्वारा प्रतिपूर्ति की तिथि के बीच के समय का व्याज भारतीय बैंक उनके और भारत सरकार (वित्त मंत्रालय) के साथ 25-3-80 को हुए समझौते की शर्तों के अनुसार प्राप्त करेगा और उसकी प्रतिपूर्ति भारतीय दूतावास, टोकियो द्वारा की जाएगी। भारतीय दूतावास, द्वारा व्याज भुगतान पर किया गया खर्च डाक एवं तार विभाग (देखें खण्ड-6) (4) से प्राप्त किया जाएगा।

#### 5(5) प्रतिपूर्ति क्रियाविधि

भारतीय संभरकों के माल और सेवाओं के वितरण के लिए प्रक्रिया ऋण समझौते की प्रतिपूर्ति क्रियाविधि के अनुसार होगी।

खण्ड 6 रुपया निक्षेप करने के लिए उत्तरदायित्व

6(1) भारतीय बैंक, टोकियो संगत प्राधिकार पत्र के परिशिष्ट में संकेतिक अनुसार दूसरसंचार विभाग के प्राधिकृत बैंकर को परामर्श जहाजराशि दस्तावेज भ्रष्टेयित करेगा और बैंकर इस बात को सुनिश्चित करेगा कि दूरसंचार विभाग में पोतनदान दस्तावेज रिहा होने से पहले भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी, दिल्ली में जालान के ऊपर बाहिने और कोने में कोड सं. 5130000009 का संकेत देते हुए रुपया निक्षेप कर दिया है। विदेशी संभरकों को किए गए येन भुगतान के समतुल्य रूप मार्बजनिन सूचना सं. 74-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-1974 में निर्धारित विधि के अनुसार भारत सरकार के लेखे में जमा किए जाने हैं।

विदेशी संभरक को किए गए येन भुगतान के समतुल्य रूप की गणना करने के लिए अपनायी जाने वाली विधिमय की दर भुगतान की तारीख को लागू विधिमय की यह निश्चित कर होगी जो सार्वजनिक सूचना सं. 109-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 3-8-74 और सं. 8-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 17-1-76 में निर्धारित तरीके के अनुसार निश्चित की गई हो जो मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात की मार्बजनिन सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विधिमय नियंत्रण परिपत्रों के माध्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर घोषित की गई हो। इस सम्बन्ध में और व्याज की दर के सम्बन्ध में भी जब भी कोई परिवर्तन आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। सुनिश्चित करने के लिए भारतीय बैंक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि आयातकों को आयात दस्तावेज सौंपने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। आयातक को भी यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि देय धनराशि अपने ऋणवाताओं से दस्तावेजों की सुपूर्दी लेने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। यह सुनिश्चित करने के लिए आयातक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि सरकारी खाते में ठीक प्रकार से सुरक्षित जमा कर दी गई है भले ही जब वे विशेष परिस्थितियों के अंतर्गत सीमा शुल्क प्राधिकारियों से माल की सुपूर्दी प्राप्त करते हैं। यदि आयातक सरकार को देय धनराशि के माल की सुपूर्दी लेने से पहले जमा नहीं कर पाना तो आगे के लिए उसे प्राधिकार पत्र देना बन्व कर दिया जाए और मामले की रिपोर्ट मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात को दी जाए ताकि ऐसे आयातक को आगे और आयात साइडेंस जारी न किए जाएं। जिस लेखा शीर्ष में उपर्युक्त रुपया निक्षेप किया जाएगा वह "के डिपॉजिट एण्ड एडवांसिज-843" सिविल डिपॉजिट्स फार परचेजिज एटस्ट्रा एंडर क्रेडिट्स लोन एग्रिमेंट्स (लोन फ्रीम वि गवर्नमेंट आफ जापान 9.58। विलियन येन क्रेडिट सं. आई बी पी-32 फार दूरसंचार परियोजना (8) होना चाहिए। लेकिन 31-5-1974 की उपर्युक्त मार्बजनिन सूचना में किए गए व्याज प्रभावों की गणना और निक्षेप संबंधी व्यवस्थाएं लागू नहीं होंगी, क्योंकि केन्द्रीय सरकार के विभागों के आयातों के संबंध में व्याज प्रभाव वसूल नहीं किए जाते हैं।

6(2) ऊपर उल्लिखित धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी, दिल्ली में जालान के ऊपर बाहिनी और कोने में कोड सं. 5130000009 का संकेत देते हुए सरकार की साख में सार्वजनिक सूचना सं. 184-आई टी सी (पी एन)/68, दिनांक 30-8-1968, सं. 233-आई टी सी (पी एन)/68, दिनांक 24-10-68, सं. 132-आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-71 सं. 74-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74 और सं. 103-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 में यथा निर्धारित तरीके में जमा होना चाहिए।

6(3) भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा ऐसी मांग किए जाने के बाद सात दिनों के भीतर सम्बद्ध भारतीय बैंक की ऊपर निर्धारित तरीके से यह अतिरिक्त धनराशि सेवा खर्चों के निमित्त भेजेगा जो वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा मांगी जाए। आशान के विभिन्न कालों को भरते समय आयातकों/उनके बैंकों को इस धान का सुनिश्चय कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 132-आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-1971 के पैरा 2 में निर्धारित सूचना जालान के कालम "घन परेषण और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण व्योरे में निरपवाद रूप से निदिष्ट किए गए हैं। खजाना जालान में निम्नलिखित व्योरे निरपवाद रूप से प्रस्तुत करने चाहिए:—

(क) वित्त मंत्रालय के प्राधिकार पत्र की संख्या और दिनांक

(ख) येन मुद्रा की यह धनराशि जिसके संबंध में अपमार्द गई परिवर्तन की दर के साथ निक्षेप किए जाते हैं।

(ग) विदेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि

उसके पश्चात् सी.ए.ए.ए.ए. द्वारा जारी किए गए प्राधिकार पत्र का मंदन देते हुए और रीजक तथा पोत परिवहन दस्तावेजों को संलग्न करते हुए जजाना काजान गवाह जमा करने का माध्य देते हुए पंजीकृत डाक द्वारा सी.ए.ए. ए.ए. ए. या भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी :—भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चय करना चाहिए कि एन.ए. का निक्षेप भारतीय बैंक टोकियो की अगुआई को भूतना और अपरिवर्तनीय पोसलदान दस्तावेजों की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरपवाद रूप से किया जाता च हि. और यह कि इसके तत्काल बाव सी.ए.ए. ए.ए. (जिन अंतर्गत (प्राथमिक कार्य विभाग) नई दिल्ली को सूचित कर दिया जाएगा।

6(4) भारत में सम्बद्ध भारतीय बैंक का लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति पर रुपया निक्षेपों की धनराशि का पंटांकन करना चाहिए और अवैधित 'एस' प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक बैंक को भेजना चाहिए।

भारतीय द्वापान, टोकियो द्वारा बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को दिए गए व्याज प्रभाव और के अनुसार ही येन भुगतान के मुख्य रूप को गणना को उपर्युक्त खण्ड-6 की कंडिका 6(1) में निर्धारित तरीके से को ज.ए.ए. और मुख्य लेखाधिकारी के नाम में जमा करा दिया जाएगा। विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली, सी.ए.ए. ए.ए. ए., इस प्रयोजन के लिए उपर्युक्त परामर्श जारी करेगा।

#### खण्ड 7 विविध व्यवस्थाएं

##### 7(1) आयात लाइसेंस के उपयोग करने की रिपोर्ट

आयातक का पोसलदान और उसके अधीन किए गए भुगतान और शेष धन. शि के बारे में मासिक-पत्र खोलने के बाद एक मासिक रिपोर्ट सहायता लेखा एवं सेवा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, यू. सी. प्रो. बैंक विनिष्ठा संसद मार्ग, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

##### 7(2) संभरकों का विशेष शर्तों के बारे में अधिसूचित करना

लाइसेंसधारी को आयात लाइसेंस में दिए गए किसी उन विशेष उपबंधों से संभरक को भुगतान करा देना चाहिए जो भारत के लाने में संभरक पर प्रभाव डालते हैं।

##### 7(3) विवाद

यह समझ लेना चाहिए कि लाइसेंसधारी और संभरकों के बीच कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी। भारतीय बैंक टोकियो द्वारा किए गए भुगतान से पहले संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्तें अनुबंध-2 में "भुगतान की शर्तें" के अंतर्गत अच्छी तरह से स्पष्ट कर लेनी चाहिए। संविदा की शर्तों में विवाद के निपटान से संबंध व्यवस्थाएं शामिल होनी चाहिए।

##### 7(4) भविष्य अनुदेश

आयात लाइसेंस या उसके संबंध में उठ खड़े होने वाले किसी मामले या सभी मामलों से संबंधित या जापानी प्राधिकारियों के साथ येन कैंडिट समझौते (परियोजना सहायता) सं० आई डी पी-32 के अधीन सभी प्राधारों को विदेशी आर्थिक निधि, जापान (ओ० ई० सी०, एफ०), के साथ पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निदेशों, अनुदेशों या आदेशों का लाइसेंसधारी को तुरन्त पालन करना होगा।

##### 7(5) प्रतिक्रमण या उल्लंघन

उपर्युक्त खण्डों में निर्धारित की गई शर्तों के प्रतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-नियमित (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्य-वाई की जाएगी।

#### 7(6) अनुबंधों की सूची

1. अनुबंध-1 पात्र अंत देशों की सूची
2. अनुबंध-2 प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए अनुबंध
3. अनुबंध-3 प्राधिकार पत्र का प्रपत्र
4. अनुबंध-4 साक्ष्य पत्र का प्रपत्र (वास्तविक आयातों के लिए लागू) -
5. अनुबंध-5 साक्ष्य-पत्र का प्रपत्र (सेवानों के लिए लागू)

अनुबंध-1

#### पात्र अंत देशों की सूची

(क) विकासशील देश तथा उनके क्षेत्र

(क-1) विदेशी आर्थिक सहयोग से सिद्ध विकासशील देश

1. अफ्रीका, उत्तरी सहारा  
मिश्र  
मोरोको  
तुनीशिया
2. अफ्रीका, दक्षिणी सहारा  
अंगोला  
कैमेरून  
चाद  
मध्य गिनी (1)  
घाना  
कीनिया  
मालागासी गणतंत्र  
भारतनियान, मारीशस  
पुर्तगाली गिनी  
रवाण्डा  
सेनेगल  
सोमालिया  
टेरी आफ्रिके और इस्तास  
तंजानिया गणतंत्र संघ  
जाम्बिया  
बोत्सवाना  
की जर्सी द्वीप समूह  
कामारो द्वीप समूह  
इथोपिया  
गिनी  
सैसोथो  
मालावी  
मोजम्बिक  
रियूनियम  
सेंट हेलेना और जेप (2)  
सेचिलज  
नूडान  
टोगो  
अपर वोल्टा  
बुरुंडी  
केन्द्रीय अफ्रीका गणतंत्र  
कांगो, दाहो का गणतंत्र  
जाम्बिया  
आइवरी कोस्ट  
लाइबीरिया  
माली

माइजर  
रोडेगिया  
साओ टोम और प्रिन्सिप  
सिंगरा सियोन  
स्वाजीलैण्ड  
युगाण्डो  
जाइरे गणतंत्र

3. अमेरिका, उत्तरी और केन्द्रीय

बेहमस  
बरमूडा  
डोमिनिकन गणतंत्र  
ग्वाटेमाला  
जमैका  
नीवर लैण्ड अस्ट्रेलिया  
बारबाडोज  
कोस्टारिका  
एल सालवाडोर  
हेती  
मार्टिनिक  
निकारागुआ  
बेलाइज  
क्यूबा  
गुआटेमाला  
होंडुरस  
मैक्सिको  
पनामा  
सेंट पियरो और मिकेलान  
ट्रिनिडाड और टोबागो  
वेस्ट इंडीज शाखा एन आई० ई०

(क) सह-संबंध राजस (1)

(ख) आश्रित (2)

(1) पहले स्पेनी गिनी का प्रवेश, द्वीप सहित

(2) निम्नलिखित द्वीपों सहित:—

असेन्शन, ट्रिस्ताना दन एसोसिएल्स, नाइटिंगेल, गफ

(3) मुख्य द्वीप समूह, ग्रुवा, बोनाइरे, म्यूराकोओ, साहा, सेन्ट यूस्टासिट सेन्ट मार्टिन (दक्षिण भाग)।

4. दक्षिणी अमेरिका

अर्जेन्टीना  
ब्रिजी  
फ्रांसिसी गुयाना  
पीर  
बोलिविया  
कोलम्बिया  
गुयाना  
सूरिनाम  
ब्राजील  
फाल्क लैण्ड द्वीप समूह  
पराग्वे  
उरुग्वे

5. मध्य-पूर्वी एशिया

बहरीन  
लेबनान  
मुताहिद अरब अमिरात (3)

इजराइल  
ओमन  
यमन अरब गणतंत्र  
जोर्डन  
सिरियाई अरब गणतंत्र  
यमन जनवादी का बी० आर० (4)

6. दक्षिण एशिया

अफगानिस्तान  
बर्मा  
नेपाल  
बांगला देश  
भारत  
पाकिस्तान  
भूटान  
माल द्वीप  
श्रीलंका

7. सुदूर पूर्वी एशिया

बर्मा  
कोरिया गणतंत्र  
मलेशिया  
ताइवान  
वियतनाम गणतंत्र  
होंगकांग  
माओस  
फिलिपाइन  
वाइलैण्ड  
वियतनाम जनवादी गणतंत्र  
खमेर गणतंत्र  
मकाओ  
सिंगापुर  
तिमोर

8. ओसिनिया

कोक द्वीप समूह  
फ्रांसिसी पोलिनेशिया (5)  
न्यू हेब्रिसिस (ब्रि, और फ)  
पापुवा न्यू गिनी  
वालिस और फुतुना  
फिजी  
नारु  
न्यू  
सोलोमन द्वीप समूह (बा०), टोंगा  
पश्चिमी सामोआ  
गिल्बर्ट और इलाइस द्वीप  
न्यूकेलेओनिया  
पैसिफिक द्वीप समूह (संयुक्त राज्य (6))

9. यूरोप

साइप्रस  
माल्टा  
यूरोस्साविया  
जिब्राल्टर  
सोम  
ग्रीक  
तुर्की

(1) मुख्य द्वीप एण्डोरो, बोसिनिया, सेनेग, सेन्ट किट्स (सेन्ट क्रिस्टोफो) मेक्सिको-गुइला, सेन्ट लूसिया और सेन्ट क्रिस्टोफ

- (2) मेन आईलैण्ड, मोन्तेसरत, सेमान, तुर्की और काइकोस और ब्रिटिश बरजिन द्वीप समूह।
- (3) अजमन, बुबई, फुजाइरत, रास अल खैमा, शरजाह और उम अल क्वैयन।
- (4) अदन और विभिन्न सलतनत और अमीरात सहित।
- (5) सोसायटी आईलैंड समूह (ताहिती सहित) को शामिल करते हुए फ्रांस्वेल द्वीप समूह, दुभापोट, आन्विपर ग्रुप और माकेसत द्वीप समूह।
- (6) पैसिफिक द्वीप समूह का ट्रस्ट प्रदेश, कारोलीन द्वीप समूह, मार्शल द्वीप समूह और मैरिना द्वीप समूह (गाम को छोड़कर)।

(क) 2—ओ० पी० ई० सी० के सदस्य या सहयोगी देश

अल्जीरिया  
गेबोन  
बेन्जुएला  
कंबोडिया  
काबु-घावी  
कोलोनिया  
माइजीरिया  
ईरान  
कतर  
हंगेरी  
लीबियाई अरब गणराज्य  
इक्वेडोर  
ईराक  
सऊदी अरब

अनुबन्ध-2

प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए प्रार्थना-पत्र

संख्या \_\_\_\_\_ दिनांक \_\_\_\_\_

सेवा में,

सहायता सेवा तथा सेवा परीक्षा नियंत्रक,  
वित्त मंत्रालय,  
प्राधिकार कार्य विभाग  
यू. सी. ओ. बैंक बिल्डिंग, प्रथम मंजिल,  
पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001

विषय:—येन क्रेडिट सं. आई डी पी \_\_\_\_\_ (परियोजना सहायता)  
1988 के अन्तर्गत जापान से \_\_\_\_\_ का आयात।

महोदय,

ऊपर उल्लिखित येन क्रेडिट सं. आई डी पी \_\_\_\_\_ (परियोजना सहायता) के अधीन \_\_\_\_\_ से \_\_\_\_\_ के आयात के सम्बन्ध में \_\_\_\_\_ (बैंक का नाम) \_\_\_\_\_ जो कि यही होना चाहिए जो नीचे (ड) में सम्बद्ध समुद्रपार संभरक के नाम में साख पत्र कोलने के लिए विमा गया है, कि प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए हम आपको निम्नलिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करते हैं:—

(क) भारतीय आयातक का नाम और पता।

(ख) आयात साइसेंस की संख्या, दिनांक और मूल्य और यह तारीख जिस तक बैंक है।

- (ग) प्राप्ति के तरीके ..... क्या वह सीधे क्रय या औपचारिक खुले अन्तर्राष्ट्रीय निविदा पर आधारित है। इसका मामला में यदि कोई कारण हो तो कारण सहित यह संकेतिक होना चाहिए कि क्या संविदा का निर्णय उपर्युक्त स्थूलतम तकनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है।
- (घ) साख का संक्षिप्त विवरण।
- (ङ) साख का उद्गम देश।
- (च) यदि कोई हो तो पास से इतर जोस देशों से आयातित संघटकों का प्रतिशत।
- (छ) संविदा का कुल अंश पर निःशुल्क लागत और भाड़ा मूल्य (येन में)।
- (ज) यदि कोई हो तो भारतीय एजेंट के कमीशन की धनराशि (येन में)।
- (झ) वास्तविक अंश पर निःशुल्क/लागत और भाड़ा मूल्य (येन में) जिसके लिए प्राधिकार पत्र मांगा गया है।
- (ण) समुद्रपार को संभरकों के साथ की गई संविदा की संख्या एवं दिनांक।
- (ट) विदेशी संभरक का नाम, पता और राष्ट्रीयता।
- (ठ) वे भुगतान शर्तें और संभावित स्थितियां जिनको संविदा के अन्तर्गत भुगतान देय होंगे।
- (ड) सुपुर्वगी को पूर्ण करने की प्रत्यागित तिथि।
- (ढ) बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करते समय प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज (प्रत्येक सेट की संख्या और उनका निपटान दिखाते हुए)।
- (ण) पोतलदान अनुदेश (बाह्यमन्तरण/गार्ड-शिपमेंट को अनुमति दी गई है या नहीं निर्दिष्ट कीजिए)।
- (त) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता।
- (थ) क्या उसी लाइसेंस के अन्तर्गत संविदा (संविदाएं) कर दी गई हैं और जापानी प्राधिकारियों को अधिसूचित कर दिया गया है, यदि हां तो ऐसी प्रत्येक संविदा की संख्या, दिनांक और मूल्य और वित्त मंत्रालय का वह संदर्भ जिसके अन्तर्गत ओ.ई.सी. एफ को इसे अधिसूचित किया गया है।
- (द) क्या साख-पत्र के संचालन और रख-रखाव के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को देय बैंक जब आयातकों या संभरकों द्वारा वहन किए जाते हैं।
- (ध) आयातक द्वारा वचनबद्धता:—

“हम एतद्वारा सरकार द्वारा निर्धारित तरीके से और हर से विदेशी संभरक को किए गए भुगतान के समतुल्य रुपये को पूरा और सही जमा करने का वचन देते हैं। प्रत्येक निरक्षर साख (आयातित सामग्री) को सुपुर्वगी सोपने से पूर्व तत्काल ही धनराशियां जमा कराई जाएंगी। विदेशी राष्ट्र यता वालों की सेवाओं के लिए भुगतानों के मामले में, दिए गए ज्यों ही विदेशी संभरकों के सम्बद्ध बीजक हमारे द्वारा अनुमोदित कर दिए जाएं और संभरकों को भुगतान कर दिया जाए, त्योही धनराशियां जमा कर दी जाएं।

## अनुबन्ध—3

(प्राधिकार पत्र का प्रारम्भ)

सं. एक

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

प्राथमिक कार्य विभाग

नई दिल्ली, दिनांक

शेष में,

बैंक ग्राफ इण्डिया,  
टोकियो शाखा,  
टोकियो (जापान)।

विषय :—येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) ऋण करार सं. आई डी पी ..... के अधीन आयात साख-पत्र खोलने के लिए प्राधिकार पत्र जारी करना।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ विनांक ..... को किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एतद्वारा यथा संलग्न व्योरे के अनुसार सब श्री ..... के नाम में ..... येन धनराशि के लिए अपरिवर्तनीय साख-पत्र खोलने के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

2. आपके बैंक द्वारा खोले गए प्रत्येक साख-पत्र की प्रति आयातक के बैंक, ओ. ई. सी. एफ. भारतीय वृतावास, टोकियो और हमें पृष्ठांकित की जाए।

3. साख-पत्र की शर्तों के अनुसार प्रारम्भ में संभरकों को भुगतान आपकी निधि से किया जाएगा। भुगतान के साथ ओ. ई. सी. एफ. को आवश्यक वस्तावेज भेज कर किए गए भुगतान की प्रतिपूर्ति का दावा तत्काल करना चाहिए।

4. विदेशी संभरक को प्रदायणी करते समय आपके द्वारा ..... (आयातक के बैंक का नाम व पता) मूल पोतलदान वस्तावेज (विनिमय), प्रतिरिक्त पूर्ण वस्तावेजों के सेट के साथ तथा संभरक को की गई प्रदायणी की नामे डालने की सूचना, तत्काल प्रदायणी ..... की गई हो, तो उसकी प्रति भेजी जाए।

5. संभरक को आपके द्वारा किए गए भुगतान की तिथि से ओ. ई. सी. एफ. द्वारा आपको उसकी प्रतिपूर्ति की तिथि तक के बीच के समय के लिए आपको चुकाए जाने योग्य व्याज प्रभार भारत सरकार के लेख पर प्रभाव वाले बिना सामान्य बैंकिंग खोतों के माध्यम से भारत में संबद्ध आयातक के बैंक के साथ आपके द्वारा निर्णित किए जाएंगे। बैंकों के अन्य खर्च जिसमें साख-पत्र खोलने, रख-रखाव करने और साख-पत्रों को आपरोशन करने और सीधा संबंधी दस्तावेजों के संचालन से संबंधित और यदि कोई हो तो विदेशी संभरकों के बैंकों के खर्च भी विदेशी संभरक/आयातक को ही देने पड़ेंगे और इसलिए आयातक द्वारा उनका भुगतान नहीं किया जाएगा और इसलिए उन्हें सीधे ही आयातक या संभरकों से प्राप्त किया जाए। इस प्रकार ऐसे कुवतारों की प्रतिपूर्ति का दावा ओ. ई. सी. एफ. से नहीं किया जा सकता है।

6. जैसे ही आपके द्वारा कोई भुगतान किया जाता है और उसकी प्रतिपूर्ति आपको कर दी जाती है तो उसकी सूचना निर्धारित पत्र में वित्त मंत्रालय को भेज दी जानी चाहिए।

7. यह प्राधिकार पत्र समुद्रपार संभरकों के नाम में साख-पत्र खोलने के लिए है। साख-पत्र में बाव में किए जाने वाले संशोधन या इस प्राधिकार के मद्दे भविष्य में साख-पत्र इस मंत्रालय से विशेष प्राधिकार प्राप्त किए बिना वैध नहीं होंगे।

8. यह प्राधिकार पत्र ..... तक वैध रहेगा।

9. कृपया इस करार के संबंध में सभी प्रकार के पत्र-व्यवहार के लिए इस पत्र के अनुदेश नीचे में दी गई संख्या का उल्लेख करें।

भवदीय

(लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित :—

1. आयातक ..... को उनके पत्र सं. .... विनांक के ..... के संदर्भ में।

उनसे अनुरोध है कि वे बैंकों से विनिमय दस्तावेजों की डिलीवरी लेने से पूर्व निर्धारित दर पर और तरीके से अपने बैंकों के माध्यम से कृपया निक्षेप आदि जमा कराने का प्रबंध करें। यदि अपवाद स्वरूप परिस्थितियों के कारण माल की डिलीवरी सीधे ही सीमा-शुल्क और पत्तन प्राधिकारियों से मूल पोतलदान दस्तावेज भेजे बिना ही प्राप्त कर ली जाती है, तो डिलीवरी लेने से पूर्व ही निक्षेप किए जाने चाहिए। विदेशी राष्ट्रीयों द्वारा दी गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में जैसे ही सम्बद्ध बीजक भुगतान द्वारा अनुमोदित हो जाए, निक्षेप कर दिए जाएं। निक्षेप जल्दी ही और ठीक से न करने पर लाइसेंस की शर्तों में उल्लिखित आवश्यक कार्रवाई की जा सकती है।

## 2. आयातक के बैंक

2(1) यह आयात लाइसेंस संख्या ..... दिनांक ..... के संदर्भ में है। यह प्राधिकार पत्र येन क्रेडिट के अन्तर्गत प्रभावी आयात लाइसेंस शर्तों के बारे में जारी किया गया। आयात/विदेशी भुगतान करों समग्र उचित कार्रवाई के लिए लाइसेंसिंग शर्तों तथा सम्बन्धित सार्वजनिक सूचना/आदेश शक्ति को देखें।

2(2) उनसे निवेदन किया जाता है कि बैंक ग्राफ इण्डिया, टोकियो जापान से दस्तावेज प्राप्त करने पर विदेशी संभरक को येन भुगतान के बराबर रुपये जमा कराने की व्यवस्था करें। संभरकों को चुकाई गई धनराशि के बराबर रुपए की गणना सार्वजनिक सूचना सं. 8-आई टी सी (पी एन) 76, दिनांक 17-1-76 या अन्य ऐसी ही सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाए के अनुसार संभरकों को भुगतान करने की तिथि को यथा प्रचलित परिवर्तन की मिश्रित दर पर की जाएगी। यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि आयातक की सीमा शुल्क निकासी के लिए आयात दस्तावेजों का सेट दिए जाने से पूर्व यह धनराशि जमा की जाती है।

2(3) ये धनराशियां या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी में जालान के बाहिनी ओर कोड सं. 5130000009 दर्शाने हुए जमा करनी चाहिए। इस संबंध में उनका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं. 184-आई टी सी (पी एन)/68 दिनांक 30-8-68, 233-आई टी सी (पी एन)/68 दिनांक 24-10-1968, 132 आई टी सी (पी एन)/71 दिनांक 5-10-1971, सं. 74-आई टी सी (पी एन)/74 दिनांक 31-5-1974 एवं सं. 103 आई टी सी (पी एन)/76 दिनांक 12-10-1976 में दिए गए प्रावधानों की ओर दिलाया जाता है। यह लेखा शीर्ष जिसमें कृपया जमा कराना है वह "के डिपॉजिट्स एण्ड एक्वाजिज—843—प्रिविलि डिपॉजिट्स—डिपॉजिट्स फार परचेजिज. एटसेट्टा अलंड अंडर परचेजिज क्रेडिट/नोन एप्रोमेंटस "लोन फ्राम द गर्बनमेंट ग्राफ जापान 9, 581 बिलियन येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) सं. आई डी सी-32 कार 1985-86 है।

2(4) जिन मामलों में मुख्य रुपया रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी में सार्वजनिक सूचना संख्या-132 आईटीसी(पीएन)/71, दिनांक 5-10-1971 के अनुसार नकव जमा किया जाता है, उनके आवाज की मूल रूप में एक प्रतिलिपि बैंक आफ इंडिया, टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणी का पूर्ण विवरण देते हुए अग्रोपण पत्र सहित उनके द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजी जाएगी :-

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक  
वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग)  
पहली मंजिम, यू.सी.ओ. बैंक बिल्डिंग,  
संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

2(5) जिन मामलों में मुख्य रुपया ऊपर संकेतित सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित दर्शनी हुण्डी द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचनाएं उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में, जमा किए गए मुख्य रुपया का पूरा व्यौरा इस विभाग को भेजना चाहिए।

2(6) संभरक को भुगतान करने की तिथि और ओ.ई.सी. एफ. द्वारा बैंक आफ इंडिया टोकियो को उसकी कदायर्गों की तिथि के बीच की अवधि के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को दैनिक व्यापक प्रसार आपके द्वारा सामान्य बैंक सूत्रों के माध्यम से भारत सरकार के लेखे पर प्रभाव डाले बिना बैंक आफ इंडिया टोकियो के साथ निर्णित किए जाएंगे।

2(7) संभरक की प्रत्येक प्रदायणी करते समय मूल दस्तावेज (या वाणिज्य बीजक, बैंक गारण्टी कार्य निष्पादन गारण्टी पोतलदान की सूची में विनिमेय दस्तावेज आदि) का विमोचन तब तक न किया जब तक की उपर्युक्त (2) तथा (3) पर कार्रवाई न कर ली जाए।

2(8) विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी के रूप में बैंक की जिम्मेदारियों तथा कार्यों का उल्लेख भारतीय रिजर्व बैंक के अनेक निर्धारित एंडी परिपक्षों में किया गया है। इस संबंध में एंडी आदेश संख्या 22 दिनांक 18-6-77 की ओर विशेष रूप से ध्यान दिलाया जाता है।

2(9) भविष्य में पक्ष-व्यवहार के लिए इस पत्रादि की प्राप्ति स्वीकृति भेजे तथा संख्या आदि लिखें।

3. निदेशक, ऋण विभाग-2 समुद्रवार आर्थिक सहयोग निधि, टेकवसी म्यूडी बिल्डिंग, 4-1 प्रोहाट मेची-1 कोमे, कियोडा कू टोकियो 100 जापान।

4. भारतीय प्रसावास, टोकियो।

5. अवर सचिव, जापान अनुभाग, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।

(लेखा अधिकारी)

अनुषंग-4

प्रपत्र ओ ई सी एक - एलसी-1

अपरिवर्तनीय साख पत्र

(माल के लिए लागू)

दिनांक :

सेवा में,

..... यह साखपत्र (ऋणी) और विदेशी  
..... आर्थिक सहयोग निधि के बीच  
..... हुए ऋण करार सं. .... दिनांक ..  
..... के अनुसरण में जारी किया गया है।

महोदय,

हम आपको सूचित करते हैं कि हमने आपके नाम में हमसे किए गए जाने वाले बीजक के पूरे मूल्य के लिए ड्राफ्टों द्वारा उपलब्ध रकम या रकमों के लिए अपरिवर्तनीय साख पत्र सं. .... खोल दिया है जो...

269 GI/86-2

(अर्थात् येन,) की कुल धनराशि से अधिक नहीं है। इसे निम्नलिखित दस्तावेजों के साथ भेजा जाता है :-

हस्ताक्षरित वाणिज्यिक बीजक, समुद्री पोतलदान बिल जिनमें दिए गए आदेशों का पूरा सेट हो ब्लैंक पृष्ठांकित एवं चिह्नित "फैट एवं "नोटिफाई" प्रकृत किए हुए अन्य दस्तावेज।

प्रमाणित पोतलदान (माल के लदान का संक्षिप्त विवरण) संविदा सं. .... (यदि कोई हो) के संवर्ध में से ... आर्थिक पोतलदान स्वीकृत है। वाहनांतरण स्वीकृत है। लदान बिल ... के बाव की तिथि का नहीं होना चाहिए। ड्राफ्ट ... तक बातचीत के लिए अवश्य प्रस्तुत किए जाने चाहिए। इस ऋण के अंतर्गत सभी ड्राफ्ट तथा दस्तावेजों पर "अपरिवर्तनीय साख-पत्र सं. .... दिनांक ..." के अंतर्गत निकलवाया गया और आयात संवर्ध सं. (संख्याएं) (यदि कोई हो) प्रकृत होना चाहिए।

यह क्रेडिट हस्तांतरणीय नहीं है।

हम एतद्वारा वचन देते हैं कि इस ऋण और इसकी शर्तों के अंतर्गत जारी किए गए और इसकी शर्तों का अनुपालन करके जारी किए गए सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और महत्ता को दस्तावेजों की सुपुर्वगी पर विधिवत स्वीकार किए जाएंगे।

जब तक अन्यथा रूप से विस्तारपूर्वक न उल्लेख किया जाए यह क्रेडिट "यूनिफार्म कस्टम एंड प्रैक्टिस फार डॉक्यूमेंटरी क्रेडिट्स (1974 रिज़ीजन) इन्टरनेशनल बैंक ऑफ कामर्स बोचर सं 290" के अधीन है। लेन देन करने वाले बैंक के लिए विशेष अनुदेश।

1. उपर्युक्त ऋण समझौते के अंतर्गत जारी किए गए वचन पत्र की व्यवस्थाओं के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से हमारे भुगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम वचन देते हैं कि हम लेन-देन करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार ड्राफ्टों की धनराशि को लौटा देंगे।

2. लेन देन करने वाले बैंक को यह बताते हुए हमें ड्राफ्टों और दस्तावेजों के एक पूरे सेट के साथ एक प्रमाणपत्र अवश्य भेजना चाहिए कि शेष दस्तावेजों के सीधे ही हवाई डाक द्वारा ..... को भेज दिए गए हैं।

3. इस क्रेडिट के अंतर्गत बैंक के सभी खर्च आयातक/संभरक के लेखे के लिए हैं।

भवदीय

वाणिज्यिक बैंक

द्वारा प्राधिकृत हस्ताक्षर

अनुसंग 5

(प्रपत्र ओ ई सी एक-एस सी-2)

(अपरिवर्तनीय साख-पत्र)

(सेवाओं के लिए लागू)

दिनांक

सेवा में,

..... यह साखपत्र (ऋणी) और विदेशी  
..... आर्थिक सहयोग निधि के बीच  
..... हुए ऋण करार सं. .... दिनांक ..  
(संभरक का नाम व पता) के अनुसरण में जारी किया गया है।

प्रिय महोदय,

हम आपको सूचित करते हैं कि हमारे नाम में निकालने के लिए पूर्ण व्योरे मूल्य के लिए लाभकारी ड्राफ्ट एंड साइट द्वारा उपलब्ध रकम या रकमों के लिए आपके नाम में हमने अपरिवर्तनीय साखपत्र सं. .... खोल दिया है जो येन (येन) की कुल धनराशि से अधिक नहीं है।

इसमें संलग्न भुगतान अनुसूची के अनुसार अपेक्षित (परियोजना के संबंध में ठेका सं....) से संबंधित दस्तावेजों को नत्थी करना है सोदा तय करने के लिए ड्राफ्ट....से पहले प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

सभी ड्राफ्ट और दस्तावेजों पर अपरिवर्तनीय क्रेडिट सं.... के अन्तर्गत ज्ञान लिखा होना चाहिए।

यह क्रेडिट हस्तान्तरणीय नहीं है।

हम एतद्वारा वचन देते हैं कि इस क्रेडिट के अन्तर्गत इसकी शर्तों का अनुपालन करके भुनाए गए सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और आदेशितों को दस्तावेजों की सुपुर्दगी पर विधिवत् स्वीकार किए जाएंगे।

जब तक अन्यथा रूप से विस्तारपूर्वक न बताया जाए, यह क्रेडिट "यूनिफार्म कस्टम्स एण्ड प्रिंट्स फार डाकुमेंटरी क्रेडिट्स (1974 रिबीजन) इन्टरनेशनल चेंबर आफ कामर्स ब्रोचर नं. 290" के अधीन है।

सोदा करने वाले बैंक को विशेष अनुदेश :

1. इसमें संलग्न प्रपत्र के अनुसार (ऋणी और इसके मनोनीत अधिकारी) द्वारा जारी किए गए निष्पादन के मूल विवरण की प्राप्ति के पश्चात् इस क्रेडिट के अंतर्गत भुगतान इसमें संलग्न शीट में निर्धारित भुगतान अनुसूची के अनुसार किए जाने चाहिए। प्रारम्भिक भुगतान के मामले में उपर्युक्त निष्पादन के विवरण के बजाए लाभकारी विवरण की आवश्यकता है।

2. ऊपर उल्लिखित ऋण समझौते के अधीन जारी किए गए वचन-बद्धता पत्र के उपबन्धों के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से अपने भुगतानों के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम ड्राफ्टों की धनराशि का मोल तोल करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार प्रेषित करने का वचन देते हैं।

3. उपर्युक्त मव 1 में यथा उल्लिखित दस्तावेजों की एक प्रति और मसौदे हमें उसकी प्राप्ति के तुरन्त बाद ही भेजे जाएंगे।

4. इस साक्ष्य के अन्तर्गत बैंक के सभी खर्चें आयातकों/संभरकों के खर्चों के लिए हैं।

भवदीय,  
बाणिज्यिक बैंक  
द्वारा प्राधिकृत हस्ताक्षर

#### भुगतान अनुसूची

यह भुगतान अनुसूची हमारे साक्ष्य सं.... का एक अभिन्न अंग है।

#### 1. प्रारम्भिक भुगतान

धनराशि ..... येन

कुल संविदा मूल्य का ..... प्रतिशत है।

अपेक्षित दस्तावेज : लाभकारी का विवरण अंतिम भुगतान तिथि :

#### 2. भुगतान वृद्धि

सम्पूर्ण योग : धनराशि ..... येन

कुल संविदा मूल्य का ..... प्रतिशत

निम्न प्रकार से भुगतान किया जाना है :—

देय धनराशि ..... अन्तिम भुगतान तिथि

पहली किस्त येन, .....

दूसरी किस्त येन, .....

अपेक्षित दस्तावेज : (ऋणी अथवा उसके मनोनीत प्राधिकारी) द्वारा जारी किए गए निष्पादन के विवरण की एक प्रति जिसका एक प्रपत्र संलग्न है।

निष्पादन का विवरण

दिनांक

संदर्भ

सेवा में,

(संभरक का नाम और पता)

संदर्भ :—ऋण करार सं..... के अन्तर्गत .....  
परियोजना से संबंधित ..... के नाम से .....  
येन के लिए, ..... द्वारा जारी किए गए  
साक्ष्य की सं..... दिनांक .....  
में, अधोहस्ताक्षरी, प्रतिनिधि (ऋण) एतद्वारा ..... और .....  
के बीच समझौता सं..... दिनांक .....  
में निहित भुगतान की शर्तों के अनुसार समुद्र पार आर्थिक सहायता निधि  
द्वारा ..... की धनराशि (....  
येन केवल) प्राप्त करने के लिए एक निष्पादन विवरण जारी करता हूँ।

(.....)

(ऋणी)

द्वारा .....

(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

विशेष अनुदेश :—

वास्तविक निष्पादन का विवरण इसमें संलग्न पत्र में दर्शाया जाएगा।

भुगतान शर्तें

यह भुगतान हमारी साक्ष्य सं..... का अभिन्न अंग है।

#### 1. प्रारम्भिक भुगतान

धनराशि ..... येन जो कि कुल  
संविदा मूल्य का ..... प्रतिशत है।

अपेक्षित दस्तावेज :

प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि :

#### 2. मध्यवर्ती भुगतान (यदि कोई हो)

धनराशि ..... येन

जो कि कुल संविदा मूल्य का .....  
प्रतिशत है।

अपेक्षित दस्तावेज :

प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि :

पोतलदान दस्तावेजों के अन्तर्गत भुगतान

धनराशि ..... येन

संविदा के कुल मूल्य का .....  
प्रतिशत है।

टिप्पणी :—पोतलदान दस्तावेजों के अन्तर्गत पूर्ण भुगतान के मामले में इसे संलग्न दस्तावेजों की आवश्यकता नहीं है।

## MINISTRY OF COMMERCE

## IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 98-ITC(PN) 85-88

New Delhi, the 22nd May, 1986

Subject : Licensing condition in respect of import of equipment and services under the Yen Credit of Yen 9.581 billion ID-P-32 for Telecommunications Project (VIII) extended by the Overseas Economic Co-operation Fund (OECF) of Japan for 1985-86.

F. No. IPC/23 (30) 85-88 :—The terms and conditions governing imports under the Yen Credit of Yen 9.581 billion for 1985-86 for Telecommunications Projects (VIII) extended by the Overseas Economic Cooperation fund (OECF) of Japan, as given in Appendix to this Public Notice are notified for information.

R. L. MISRA,

Chief Controller of Imports &amp; Exports

## APPENDIX

Licensing Conditions in Respect of Import of Equipment and Services under the Yen Credit of Yen 9.581 Billion for Telecommunications Project (VIII) Extended by the Overseas Economic Co-operation Fund (OECF) of Japan

## Section I. General Conditions :

I (i) The Yen Credit of 9.581 billion extended by the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) for financing the import requirements of the Telecommunications Project of the Department of Telecommunications is untied in favour of Japan and developing countries. Accordingly the goods and services to be procured under this Credit can be imported from Japan and all countries enumerated in the list at Annexure-I which will be eligible source countries under the credit.

I (ii) Import Licence(s) under the Credit can be issued only for such items and for such value as have been specifically cleared by the DGTD/CG Committee. The value of import licence(s) issued under this credit should not exceed Yen 10.540 Billion (CIF).

The rupee value of the import licence shall be determined with reference to the exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs) and prevailing on the date of issue of the import licence and indicated in the body of the import licence (s) as per para 2 of the Public Notice No. 78-ITC(PN) 74 dated the 6th June, 1974 issued by the CCI&E, which also enjoins that the Customs Authorities and the authorised dealers in foreign exchange will make debits to the value of the licence (s) at the exchange rate specified on the import licence (s). The licence will bear the superscription "Japanese Yen Credit No. ID-P. 32". The first and second suffix to the licence code will be "S/JC". This will also be repeated in the letter from the CCI&E forwarding the import licence to Department of Telecommunications, a copy of which

should be endorsed to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section).

I (iii) Import Licence (s) can be issued only in favour of Department of Telecommunications on CIF basis.

I (iv) Depending on the convenience of Deptt. of Telecommunications more than one import licence may be issued under this credit, but the total value must not exceed 10.540 Billion (CIF) as specified at I (ii) above.

I (v) The extension of the validity of the import licence, may on application by Deptt. of Telecommunications be granted for a further period of 12 months. Request for further extension/issue of fresh import licence, if any, should be referred to the Department of Economic Affairs (Japan Section).

I (vi) Imports to be financed under the credit are restricted to the list of goods and services attached to the import licence, duly attested by the licensing authorities.

I (vii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence. Any payment towards Indian Agent's commission should be made in India rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore be charged to the licence.

I (viii) Firm order must be placed on FOB basis on the overseas supplier located in the countries mentioned in Annexure-I and sent to the Department of Economic Affairs (Japan Section) within 4 months from the date of issue of the import licence. Freight and insurance charges will be payable in India in Indian rupees. "Firm orders" means purchase orders placed by the Indian licensee on the overseas supplier duly signed by the letter of purchase contract duly signed by both the Indian importer and the overseas suppliers. Orders on Indian Agents of overseas suppliers and/or order confirmation of such Indian Agents are not acceptable.

I (ix) This condition of the placement of contracts within 4 months period will be treated as not having been complied with unless complete contract documents reach the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section) within four months from the date of issue of the import licence. If firm orders as explained in para I (viii) above cannot be placed within four months for valid reasons, the licensee should submit the import licence to the concerned licensing authorities given reasons why ordering could not be completed within four months. Such requests for extension in the ordering period will be considered on merit by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 4 months. If, however, extension is sought beyond 8 months from the date of issue of the import licence such proposals will invariably be referred by the licensing authorities to the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi who will consider such extension on the merits of each case and communicate their decision to the licensing authorities for communication to the licensee. Only on production by the licensee of a letter from the licensing authorities sanctioning such extension will be authorised dealers and depart-

mental authorities permit the facility of letter of authority for the establishment of letter of credit, acceptance of deposits of the rupee equivalent, etc. in respect of supply contracts entered into under the import licence.

I (x) All payments must be completed within 4 months from the expiry of the import licence. Individual payments must be arranged upon shipment of goods. The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents. No credit facility of any kind will be permitted to be availed of by the Indian importer from the overseas supplier. The contract should provide for the period of delivery of goods as follows :—

“ . . . . . Months after the receipt of Letter of credit but to be completed latest by the end of . . . . . ”

In fixing the terminal date for shipment it should be noted that this date should not be beyond 30-6-1990.

Section—II Special points to be kept in view while negotiating a supply contract.

II (i) The FOB value of the contract should be expressed in YEN (Fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's commission, if any, which would be paid in Indian rupees.

In no circumstances the contract value should be expressed in Indian rupees or in any other currency. The purchase order and the supplier's order confirmation should be in English only.

II (ii) Procurement of all goods and sources to be financed out of the proceeds of the loan shall be made in accordance with the guidelines for procurement under the loan with the following supplemental stipulations :—

(a) In case of procurement of goods and services of value estimated to be not less than 300 million Yen :—

(i) Prior approval of OECF shall be obtained if it is proposed to adopt procurement procedure other than the Formal Open International Tendering with Prequalification, submitting to OECF an application for approval of procurement method.

(ii) Prior to issuing a notice of award to successful bidder, the application for approval of award with bid evaluation report shall be submitted to OECF for approval. Alongwith the above application for approval of award and bid a evaluation, the evaluation report of prequalification, notices and instructions to bidders, bid form, proposed contract specification and drawing and other documents related to bidding will also be submitted to OECF for its review.

(b) In case of procurement of goods and services of value estimated to be less than Yen 300 million prior approval of OECF is not required for award of construction the condition that tender lots are divided reasonably. However, if OECF requests the tender evaluation reports etc. will be submitted to OECF for its review.

(c) The application/documents mentioned in (a) (i), (a) (ii) and (b) above will be submitted by Department of Telecommunications to Department of E.A., in duplicate, for submission to OECF.

II (iii) The payment to the overseas supplier should be arranged through an irrevocable letter of credit to be opened by the Bank of India, Tokyo in their favour under the OECF Yen Credit (Project Aid) No. ID-P. 32 for 1985-86 the details of which are given in section VI below.

II (iv) Only one contract should be entered into against the import licence. In exceptional cases, more than one contract may be permitted to be entered into, for which prior approval of the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, should be obtained soon after the date of issue of the import licence.

II (v) Eligibility of Supplier

Suppliers shall be nationals of the eligible source countries or juridical persons incorporated and registered in the eligible source countries and controlled by nationals of the eligible source countries.

II (vi) Declaration in contract

The following declaration as to the eligibility of goods and supplier signed and dated by the supplier, shall be attach to each contract :—

“I, the undersigned hereby certify that the goods to supplied are produced in \_\_\_\_\_ (name of the eligible sources country concerned). ”

“I, the undersigned, further certify that to the best my information and belief, the portion imported from the noneligible source countries is less than thirty percent (30%) in accordance with the following formula :

$$\frac{\text{Imported CIF Price} + \text{Import Duty} \times 100}{\text{Supplier's FOB Price}}$$

“I, the undersigned, hereby certify that \_\_\_\_\_ (Name of company) has been incorporated and registered in \_\_\_\_\_ (name of eligible source country), and is control by nationals of \_\_\_\_\_ (name of the eligible source countries concerned). ”

II (vii) Permissible imports from non-eligible source countries.

Financing of goods which contain materials originating from a non-eligible source country or countries may be made, provided that the imported portion is less than thirty percent (30%) of the price per unit of such products in accordance with the following formula :—

$$\frac{\text{Imported CIF Price} + \text{Import Duty} \times 100}{\text{Supplier's FOB Price}}$$

Section III Conditions to be incorporated in the supply contracts.

III. (i) The following provisions should be specifically embodied in the supply contract :

(a) The contract is arranged in accordance with the Loan Agreement between the Government of India and Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) dated

the 25th November, 1985 concerning the Yen credit No. ID-P 32 (Project Aid) for Telecommunications Project (VIII).

- (b) Payments to the supplier shall be made through an irrevocable letter of Credit to be issued by the Bank of India, Tokyo under the Loan Agreement No. ID-P.32 dated 25th November, 1985 between the Government of India and the Overseas Economic Co-operation Fund of Japan (OECF).
- (c) The Overseas suppliers agree to furnish such information and documents as may be required under the Yen Credit arrangement by the Government of India on the one hand and the OECF on the other.
- (d) Certificates (triplicate) in the forms indicated in II (vi).

III (ii) In case the supplier is located in Japan, the supply contract should contain a clause that the Japanese supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India at least six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements could be made. In exceptional cases, where the Indian importer required it, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

#### Section IV. Review of Contract by OECF

IV (i) Within the stipulated period for placement of firm orders the licensee should forward 4 copies of the contract duly signed by both the Department of Telecommunications and the supplier supported by order confirmation in writing by the supplier or their photo copies complete in all respects, together with two photo copies of the relevant and valid import licence and two copies of the "Request for Issue of L.A." in the form in Annexure-II to the Department of Economic Affairs.

IV (ii) The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of the contracts or in its price.

IV (iii) The Ministry of Finance (Deptt. of EA) will send Notice of conclusion of contract along with a copy of the contract to OECF for its review. A copy each of the Notice of conclusion of contract accompanied by the contract will also be sent by Department of EA to Embassy of India, Tokyo and Office of CAA & A along with one copy each of "Request for Issue of L.A." and photo copy of import licence.

#### Section V. Payment of the Overseas Suppliers—Letter of Credit Procedure

V (i) On receipt of the Notice of conclusion of contract and the contract documents from the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs the CAA & A will issue a letter of authorisation to

pay as in the form attached as Annexure-III addressed to the Tokyo Branch of the Bank of India for opening an irrevocable Letter of Credit as in the form attached as Annexure IV (for physical imports) or Annexure V (for services) in favour of the Overseas supplier concerned. Copies of the Letter of Authorisation will be endorsed to the OECF, Embassy of India, Tokyo, the Economic Affairs, Ministry of Finance.

V (ii) On receipt of the letter of authority, the Bank of India, Tokyo, will establish an irrevocable letter of credit as per Annexure IV (applicable to physical imports) or V (applicable to services) in favour of the overseas suppliers concerned and will also forward a copy of the same to the OECF, Embassy of India, Tokyo the importer's Bank in India and the CAA & A.

The above procedure of opening of letters of credit on the basis of the letters of authority from CAA & A would ipso facto apply to all such amendments to letter of authorisation/letter of credit as may become necessary due to contract amendment or otherwise.

V (iii) The overseas supplier shall; after effecting shipment of the goods, present through his bankers the documents specified in the letter of credit to the Bank of India, Tokyo. If the documents are found to be in order, the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the overseas supplier through his bankers and will thereafter obtain reimbursement of the said amount from the OECF.

A letter of commitment will be issued by the OECF on receipt and amount equal to one-tenth percent (0.1%) of the contract value. This amount will be paid to itself from the loan/funds by OECF. The importer is required to deposit into the Government of India account the rupee equivalent of this letter of commitment charges on receipt of intimation of the payment from OECF or from the Controller of Aid Accounts, Ministry of Finance. Interest from the date of payment to OECF, OECF to the date of rupee deposit (both dates inclusive) at prevailing rates will also have to be paid by the importer.

A similar charge of 0.1% is payable by the importer under the reimbursement procedure also.

V (iv) All charges on account of opening, maintenance and on the operation of the Letter of Credit will be to the account of the importer/overseas suppliers and hence not reimbursable from OECF.

For the time lag between the dates of payment of the FOB cost of the material by the B.O.L., Tokyo to the suppliers and the date of reimbursement by the OECF to the BOI, Tokyo, the B.O.L., Tokyo will charge interest as per the terms and conditions of the Agreement entered into by them with the Government of India (Ministry of Finance) on 25-3-1980 and get the same reimbursed by the Embassy of India, Tokyo. The expenditure on account of this interest-payment by the Embassy of India in Japan will be recovered from the P & T Department [vide Section VI (iv) infra].

## V (v) Reimbursement Procedure

Procedure for disbursement of the purchase of goods and services from Indian suppliers shall be in accordance with reimbursement procedure of the loan agreement.

## Section VI. Responsibility for rupee deposit

VI (i) The Bank of India, Tokyo will forward the negotiable shipping documents to the accredited bankers of Department of Telecommunications as indicated in the Appendix to the relevant Letter of Authority and the Bankers will in turn ensure that the Department of Telecommunications make the rupee deposits at RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or SBI, Tis Hazari, Delhi before releasing the shipping documents. The rupee equivalent of the Yen payments made to the Overseas supplier are to be deposited into Government of India Account in the manner prescribed in Public Notice No. 74-ITC (PN) 74 dated 31-5-1974. The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payments made to the overseas suppliers will be the composite rate of Exchange applicable to the date of payment which will be worked out in accordance with the method prescribed in Public Notice No. 109-ITC (PN) 74 dated 3-8-1974 and No. 8-ITC (PN) 76 dated 17-1-1976 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI & E or through Exchange Control Circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importer should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their Bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amounts due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importer fails to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further LAS to him may be stopped and the matter reported to the CCI & E so that no further import license is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances—843—Civil Deposits—Deposits for Purchase etc. Abroad—Purchase under Credit/Loan Agreements"—Loans from the Government of Japan 9,581 billion Yen Credit No. ID-P. 32 for Telecommunications Project (VIII). The provisions regarding calculation and deposit of interest charges mentioned in the above said Public Notice of 31-5-1974 will, however, not be applicable, as no interest charges are recoverable in respect of imports made by Central Government departments.

VI (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government

either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi as contemplated in Public Notices No. 184-ITC (PN) 68 dated 30-8-1968, No. 233-ITC (PN) 68 dated 24-10-1968, No. 132-ITC (PN) 71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC (PN) 71 dated 31-5-1971 and No. 103-ITC (PN) 75 dated 12-10-1976.

VI (iii) The concerned Bank of India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India, Ministry of Finance, Deptt. of Economic Affairs, on account of service charges within seven days after such a demand is also made by Ministry of Finance (Deptt. of Economic Affairs). While filling in the various columns in the challan it should be ensured by the importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC (PN) 71 dated 5-10-1971 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the treasury challans :—

- (a) Ministry of Finance letter of authority No. and date.
- (b) Amount of Yen currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the Overseas supplier.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA & A indicating reference to the letter of authorisation issued by him and also enclosing copies of the invoice and shipping documents.

Note : Importer's Banks in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payments and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that CAA & A, Ministry of Finance (DEA), New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

VI (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite 'S' Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

The rupee equivalents of Yen payments on account of increase charges etc., made by Embassy of India, Tokyo, to BOI Tokyo will also be calculated in the manner laid down in para VI (i) of Section VI above and deposited in favour of the principal Accounts Officer, Ministry of External Affairs, New Delhi for which purpose, CAA & A will be issuing suitable advices.

## Section VII Miscellaneous Provisions

VII (i) Reports on the utilization of the import licence.

The importer should send a monthly report, after the letter of credit has been opened regarding

shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

#### VII (ii) Notifying Suppliers of Special Conditions

The licensee should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may effect the suppliers in carrying out the transaction.

#### VII (iii) Disputes.

It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licensee and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure—II under "Terms of Payment". Provisions dealing with settlement of disputes should be included in the conditions of contract.

#### VII (iv) Future instructions

The licensee shall promptly comply any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Yen Credit Agreement (Project Aid) No. ID-P-32 with the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).

#### VII (v) Breach or violation

Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

#### VII (vi) List of Annexures.

Annexure-I List of eligible source countries.

Annexure-II Request for issue of Letter of Authority.

Annexure-III Form of Letter of Authority.

Annexure-IV Form of Letter of Credit (Applicable to Physical Imports).

Annexure-V Form of Letter of Credit (Applicable to Services).

### ANNEXURE-I

#### LIST OF ELIGIBLE SOURCE COUNTRIES

##### A. Developing Countries and Territories.

##### (a.) Non-OPEC Developing Countries.

##### I. AFRICA, North of Sahara

Egypt  
Morocco  
Tunisia

##### II. AFRICA, South of Sahara

Angola  
Botswana  
Burundi  
Cameron  
Cape Verde Islands

Central African Rep.  
Chad  
Comoro Islands  
Congo, People's Republic of  
Dahomey  
Equatorial Guinea (1)  
Ethiopia  
Gambia  
Ghana  
Guinea  
Ivory Coast  
Kenya  
Lesotho  
Liberia  
Malagasy Republic  
Malawi  
Mali +  
Mauritania, Mauritius  
Mozambique  
Niger  
Portuguese Guinea  
Reunion  
Rhodesia  
Rwanda  
St. Helena and dep (2)  
Sao Tomé and Principe  
Senegal  
Seychelles  
Sierra Leone  
Somalia  
Sudan  
Swaziland  
Togo, Afars and Issas  
Togo  
Uganda  
Un. Rep. of Tanzania  
Upper Volta  
Zaire Republic  
Zambia

### III. AMERICA, North and Central

Bahamas  
Barbados  
Belize  
Bermuda  
Costa Rica  
Cuba  
Dominican Republic  
El Salvador  
Guadeloupe  
Guatemala  
Haiti  
Honduras  
Jamaica  
Martinique  
Mexico  
Netherlands Antilles  
Nicaragua  
Panama  
St. Pierre & Miquelon  
Trinidad and Tobago

1. Formerly the territory of Spanish Guinea, including the island of

2. Including the following Islands : Ascension, Tristan da Cunha, Nightingale, Gough.

3. Main Islands, Aruba, Bonaire, Curacao, Saba, St. Eustace, St. Martin (Southern Part).

## AMERICA, North &amp; Central (Continued)

## West Indies (Br.) n.i.e

(a) Associated States (1)

(b) Dependencies (2)

## IV. AMERICA, South

Argentina  
Bolivia  
Brazil  
Chile  
Colombia  
Falkland Islands  
French  
Guinea  
Guyana  
Paraguay  
Peru  
Surinam  
Uruguay

## V. ASIA, Middle East

Bahrain  
Israel  
Jordan  
Lebanon  
Oman  
Syrian Arab Republic  
United Arab Emirates (3)  
Yemen Arab Republic  
Hemen, Peoples D. R. (4)

## VI ASIA, South

Afghanistan  
Bangladesh  
Bhutan  
Burma  
India  
Maldivis  
Nepal  
Pakistan  
Sri Lanka

## VII. ASIA, Far East

Brunei  
Hong Kong  
Khmer Republic  
Korea, Republic of Laos  
Macao  
Malaysia  
Phillippines  
Singapore  
Taiwan  
Thailand  
Timor  
Viet-Nam, Rep. of  
Viet-Nam Dem. Rep.

## VIII. OCEANIA

Coek Islands  
Fiji  
Gilbert & Ellice Is.  
French Polynesia (5)  
Nauru  
New Calendonias  
New Hebrices (Br. and Fr.)  
Niue  
Pacific Islands (US) (6)  
Papua New Guinea

## Solomon Islands (Br.)

Tonga  
Wallis and Futuna  
Western Samoa

## IX. EUROPE

Cyprus  
Gibraltar  
Greece  
Malta  
Spain  
Turkey  
Yugoslavia

1. Main islands : Antigue, Dominica, Grenada, St. Kitts (St. Caristophe), Nevias-Anguilla, St. Lucia and St. Vincent.

2. Main islands, Montserrat, Cayman, Turks and Caicos and British Virgin Islands.

3. Ajman, Dubai, Fujairah, Ras al Khaimah, Sharjah and Umm al Quaiwain.

4. Including Aden and various sultanates and emirates.

5. Comprising the Society of Islands (Including Tahiti), The Austral Islands, the Tuamotu-Gambier Group and the Marquesas Islands.

6. Trust Territory of the Pacific Islands : Caroline Islands, Marshall Islands, and Marine Islands (except Guam) :

(a2) Member or Association Countries of OPEC

Algeria  
Bolivia  
Libyan Arab Republic  
Gabon  
Nigeria  
Ecuador  
Venezuela  
Iran  
Iraq  
Kuwait  
Qater  
Saudi Arabia  
Abu Dhabi  
Indonesia

## ANNEXURE-II

## REQUEST FOR ISSUE OF THE LETTER OF AUTHORITY

No.

Date :

To

The Controller of Aid Accounts & Audit,  
Ministry of Finance,  
Department of Economic Affairs,  
UCO Bank Building, 1st Floor,  
Parliament Street,  
New Delhi-110001.

Sub : Import of from Japan under the Yen  
Credit No. ID-P (Project Aid for  
1987-88).

Sir,

In connection with the import of—~~from—~~under the above-mentioned Yen Credit No. ID-P—(Project Aid), we furnish the following particulars to enable you to issue the Letter of Authority to the—(Name of the Bank) which should be the same as given in (b) below for opening a letter of credit in favour of the overseas supplier concerned :—

- (a) Name and Address of the Indian importer
- (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement—whether it is based on direct purchase or formal open International tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Percentage of the import components from non-eligible source countries, if any.
- (g) Gross FOB|C&F value of the contract (in Yen).
- (h) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any.
- (i) Net FOB|C&F value (in Yen) for which the Letter of Authority is required.
- (j) Number and date of the contract with Overseas Suppliers.
- (k) Name and address and nationality of the Overseas Supplier.
- (l) Payment, terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (m) Expected date of completion of deliveries.
- (n) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (o) Shipment instructions, (indicate if trans-shipment/part-shipment permitted or not permitted).
- (p) Name and address of the importer's bank in India.
- (q) Whether a contract(s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the No. date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the OECF.
- (r) Whether the banking charges payable to Bank of India, Tokyo for operation and maintenance of Letter of Credit are to be borne by the importers or Supplier.
- (s) Undertaking by the importer :—

"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc.

of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to the suppliers."

#### ANNEXURE—III

(Letter of Authority Form)

No. F

Government of India

Ministry of Finance

Department of Economic Affairs

New Delhi, the

To

The Bank of India,  
Tokyo Branch  
Tokyo (Japan)

Subject : Import under Yen Credit (Project Aid)  
Loan Agreement No. ID-P—Issue of Letter  
of Authority for opening Letter of Credit.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated \_\_\_\_\_ entered into with your Bank, you are hereby authorised to open irrevocable letter of credit for an amount not exceeding Yen \_\_\_\_\_ favouring M/s \_\_\_\_\_ as per attached details.

2. A copy each of the letter of credit opened by your Bank may be endorsed to the importer's Bank, to the OECF, Embassy of India, Tokyo and to us.

3. Payments to the suppliers in terms of the letter of credit will be made initially out of your own funds. After payments, you must claim immediately reimbursements of the amounts paid by furnishing necessary documents to the OECF.

4. On making payment to the foreign supplier you should send to \_\_\_\_\_ (Name & address of importer's Banker) the original shipping documents (negotiable) as well as additional complete set of the documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Interest charges payable to you, for the time lag between the date of payment by you to the supplier and the date of its reimbursement to you by the OECF shall be settled by you with the concerned importer's bank in India through normal banking channels without affecting the Government of India's account. The other banking charges including those on account of opening, maintenance and for the operation of the Letter of Credit as also those connected with handling negotiating documents and charges of overseas suppliers bankers if any, are to be borne by the Overseas Supplier|Importer and

may, therefore, be recovered from the Supplier/Importer directly. No reimbursement of such charges is to be claimed from the OECF.

6. As and when any payment is made by you and reimbursement is made to you, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry.

7. This Letter of Authority is intended for opening of L/C favouring the overseas suppliers. Subsequent amendments to L/C or further fresh L/Cs against this authorisation may not be acted upon in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This Letter of Authority will remain valid upto—

9. Please quote the number given at the top of this letter of instruction in all correspondence relating to the contract and also in the advices showing payment.

Yours faithfully,

(Accounts Officer)

Copy forwarded to :—

1. Importer with reference to their letter No. dated

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing Conditions.

2. Importers Banker :—(i) This has reference to import licence No. dt. This letter of authorisation issued under the relevant Licensing conditions governing the imports under Yen credit. The Licensing conditions and connected Public Notice/Order etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import/foreign payments.

(ii) They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the overseas suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amounts disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to Overseas Suppliers in accordance with the Public Notices No. 8-ITC(PN) 76 dated 17-1-1976 or such other Public Notices as may be issued from time to time. It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs clearance.

(iii) These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No.

5130000009 on the right hand corner of the challan or the SBI, Tis Hazari, Delhi. In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 184-ITC(PN) 68 dated 30-8-68, 233-ITC(PN) 68 dated 24-10-1968, 132-ITC(PN) 71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN) 74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN) 76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is "K—Deposits & Advances—843—Civil Deposits—Deposit for purchases etc. abroad under purchases under Credit/Loan Agreements"—Loans from the Government of Japan 9,581 billion Yen Credit (Project Aid) No. ID-P.32 for 1985-86.

(iv) One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi, or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN) 71 dated 5-10-1971, should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st floor UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-1.

(v) In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents deposited should be furnished to this Department.

(vi) Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the time lag between the date of payment to the supplier and the date of its reimbursement to the Bank of India, Tokyo by the OECF shall be settled directly by you with the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

(vii) For each payment made to the supplier, the original documents (whether commercial invoice, bank guarantees, performance guarantees, negotiable sets of shipping documents etc.) should not be released to the importer till action as at (ii) and (iii) above has been taken.

(viii) The Bank's duties and responsibilities as authorised dealer in Foreign Exchange are prescribed in various A.D. Circulars of the Reserve Bank of India. Specific reference in this regard is invited to A. D. Circular No. 22 dt. 18-6-77.

(ix) The receipt of this communication may be acknowledged and reference etc. for future correspondence may be indicated.

3. The Director, Loan Department-II, Overseas Economic Co-operation Fund, Takebashi Godo Building 4-1, Ohtemachi 1-Chome, Chiyoda-ku, Tokyo 100, Japan.

4. Embassy of India, Tokyo

5. The Under Secretary, Japan Section, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

(Accounts Officer)

ANNEXURE—VI  
FORM OECF—LC IIrrevocable Letter of Credit  
(Applicable for goods)

Date:

To

-----  
-----  
-----  
This letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agreement No. \_\_\_\_\_  
Dated \_\_\_\_\_  
between (Borrower) and THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. \_\_\_\_\_ in your favour for account of for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of Yen \_\_\_\_\_ (Say Yen \_\_\_\_\_) available by your drafts at sight for full invoice value drawn on us, to be accompanied by the following documents:

Signed commercial invoice in full set of clean on board ocean bills of lading made out to order and blank endorsed and marked "Freight and Notify" other document,

evidencing shipment of (brief description of goods to be shipped referring to Contract No. \_\_\_\_\_ (if any) from

To \_\_\_\_\_ partial shipments are permitted. Transshipment is \_\_\_\_\_ permitted. Bills of lading must be dated not later than \_\_\_\_\_ Drafts must be presented for negotiation not later than \_\_\_\_\_

All Drafts and documents under this credit must be marked "Drawn under \_\_\_\_\_ irrevocable credit No. \_\_\_\_\_ dated \_\_\_\_\_ and Import Reference No. (s) \_\_\_\_\_ (if any) \_\_\_\_\_

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentations and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

## Special Instructions to the negotiating bank :

1. After obtaining the reimbursement for our payments from THE OVERSEAS ECONOMIC CO-OPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with instructions issued by the negotiating bank.
2. The negotiating bank must forward the drafts and one complete set of documents to us together with the certificate stating that the remaining documents have been airmailed direct to-----.
3. All banking charges under this credit are for the account of importer/supplier.

Yours faithfully,

(a commercial bank)

By: Authorized Signature

ANNEXURE—V  
Form OECF—LC IIIrrevocable Letter of Credit  
(Applicable for Services)

Date:

To

-----  
-----  
-----  
This Letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agreement No. \_\_\_\_\_  
Dated \_\_\_\_\_  
(Name and address of the Supplier) between (Borrower) and THE OVERSEAS ECONOMIC CO-OPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. \_\_\_\_\_ in your favour for account of for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of Yen \_\_\_\_\_ (Say Yen \_\_\_\_\_) available by beneficiary's drafts at sight for full Statement value drawn on us.

To be accompanied by the required documents, in accordance with the Payment Schedule attached hereto, concerning (Contract No. \_\_\_\_\_ with regard to Project). Drafts must be presented for negotiation not later than \_\_\_\_\_

All drafts and documents must be marked "Drawn under irrevocable credit No. \_\_\_\_\_".

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of document to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

## Special instructions to the negotiating bank :

1. After receipt of the original Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority) in accordance with the form attached hereto, payment(s) under this credit must be made in accordance with the Payment Schedule stipulated in the sheet attached hereto. In case of the initial payments the beneficiary's Statement is required instead of the above-mentioned Statement of Performance.
2. After obtaining the reimbursement for our payment from the OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with the instructions issued by the negotiating bank.
3. A copy of the documents as mentioned in item 1 above and the drafts shall be sent to us immediately after the receipt thereof.
4. All banking charges under this credit are for the account of the importer/supplier.

Yours faithfully,

(a commercial bank)

By (Authorized Signature)

## PAYMENT SCHEDULE

This payment schedule constitutes an integral part of our Letter of Credit No. \_\_\_\_\_

## I. Initial Payments

Amount: Yen \_\_\_\_\_  
being \_\_\_\_\_ % of the total contract price

Required documents: beneficiary's Statement

Latest presentation date: \_\_\_\_\_

## II. Progress Payment

Aggregate amount: Yen \_\_\_\_\_  
being \_\_\_\_\_ % of the total contract price to be paid as follows:

Amount due	Latest presentation
_____	_____

1st Instalment: Yen \_\_\_\_\_

2nd Instalment: Yen \_\_\_\_\_

Required documents: A copy of Statement of Performance Issued by (Borrower or its designated authority) a form of which is attached hereto.

Statement of Performance

Date: \_\_\_\_\_

Ref. No. \_\_\_\_\_

To \_\_\_\_\_

(Name and address of the Supplier)

Re: Letter of Credit No. \_\_\_\_\_ dated \_\_\_\_\_ issued by \_\_\_\_\_ for Yen \_\_\_\_\_ in favour of \_\_\_\_\_ concerning \_\_\_\_\_ Project under Loan Agreement No. \_\_\_\_\_

I, the undersigned, representing (Borrower), hereby issue a Statement of Performance to entitle \_\_\_\_\_ to receive the sum of Yen \_\_\_\_\_ (Yen \_\_\_\_\_ only) from THE OVERSEAS ECONOMIC CO-OPERATION FUND in accordance with the Payment Terms stipulated in the Contract No. \_\_\_\_\_ dated \_\_\_\_\_ between \_\_\_\_\_ and \_\_\_\_\_

(Borrower)

By \_\_\_\_\_  
(Authorized Signature)

## Special Instructions:

The details of the actual performance shall be stated in the sheet attached hereto.

## PAYMENT TERMS

This payment terms constitutes an integral part of our letter of Credit No. \_\_\_\_\_

## I. Initial Payment

Amount: Yen \_\_\_\_\_  
being \_\_\_\_\_ % of the total contract price.

Required documents:

Latest presentation date: \_\_\_\_\_

## II. Intermediate Payment (if any)

Amount: Yen \_\_\_\_\_  
being \_\_\_\_\_ % of the total contract price.

Required documents:

Latest presentation date: \_\_\_\_\_

## III. Payment against Shipping Documents

Amount: Yen \_\_\_\_\_  
being \_\_\_\_\_ % of the total contract price.

Note: This attached sheet is not required in case of full payment against shipping documents.